हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2017

00956

एम.एच.डी.-17 : भारत की चिंतन-परंपराएँ और दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

*नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. आर्य असंग के जीवन-वृत्त को रेखांकित करते हुए उनकी रचनाओं और उनके दार्शनिक विचारों का परिचय दीजिए । *10*

2. दिङ्नाग के प्रमाणवाद को रेखांकित करते हुए प्रत्यक्ष प्रमाण के तत्त्वों पर विचार कीजिए । *10*

3. चार्वाक दर्शन की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । *10*

4. सिद्ध सम्प्रदाय के संदर्भ में अवजातीकरण (जाति-उन्मूलन) की परम्परा पर प्रकाश डालिए । *10*

5. बसवेश्वर का जीवन-परिचय देते हुए वीरशैव पंथ की उत्पत्ति पर विचार कीजिए । *10*

6. नाथ पंथ के उदय काल की राजनीतिक और सांस्कृतिक स्थितियों पर प्रकाश डालिए । *10*

7. कन्नड़ के हरिदास साहित्य का परिचय देते हुए इसका महत्त्व रेखांकित कीजिए । *10*

8. 'निर्गुण संत कवियों का सामाजिक पक्ष' विषय पर एक निबन्ध लिखिए । *10*

9. तेलुगु के संत कवि वेमना के योगदान को रेखांकित कीजिए । *10*

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) चक्रधर स्वामी

(ख) मिलिन्द और नागसेन

(ग) आर्य नागार्जुन

(घ) संत कवि रामदास